शैक्षणिक सत्र 2025 -2026 के लिए पाठयक्रम				
कक्षा -III				
विषय - हिंदी				
क्र. सं.	**अध्याय का नाम**	**अपेक्षित दक्षताएँ**	**सीखने के अपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य**	**सुझावित गतिविधियाँ**
सत्र 1				
1	सीखो	हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।	कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं। सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं। आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।	**अनुभवात्मक अधिगम** - शिक्षक बच्चों से चर्चा कर सकते हैं कि आज स्कूल आते समय आपने रास्ते में कौन- कौन सी प्राकृतिक वस्तुएँ देखीं एवं उनसे क्या सीखा? (जैसे - पक्षी, पेड़, सूरज)
2	चींटी	बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचुित स्थान मिल	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। तरह-तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न	**शब्द लड़ी -** तुकबंदी वाले शब्द (रेल, खेल,मेल, बेल, जेल) खेल पिटारा से कुछ किताबें या पोस्टर बच्चों को समूह में दें और उससे संबंधित कहानी /

		सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। तरह-तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों।	पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।	<u>घटना बनाकर कक्षा के साथ साझा करने के लिए कहें।</u>
3	कितने पैर ?	अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों। 'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हों। विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी घटना या पात्र के संबंध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि।	आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।	**अभिनय से अधिगम -** शिक्षक बच्चों से पाठ का नाट्य रूपांतरण करा सकते हैं।
4	बया हमारी	हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-	कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।	**ICT अधिगम**- बच्चों को पक्षियों की वीडियो दिखाकर उनकी आवाज की नकल करना एवं

	चिड़िया रानी!	सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।	अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं। तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।	उनके आवास एवं खान पान पर चर्चा कर सकते हैं। **अनुभवात्मक अधिगम** - शब्द पेटी में से नाम वाले शब्द छांटो व उन्हें व्यक्ति, जाति, व भाव के आधार पर वर्गीकृत करो ।
5	आम का पेड़	बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचुित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी घटना या पात्र के संबंध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि।	आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। तरह-तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं। स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं। विभिन्न उद्शदे्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।	**अनुभवात्मक अधिगम** - अपने आस पास से किन्हीं 5 पेड़ों के पत्ते अपनी कॉपी में चिपकाओ व उन पेड़ों के नाम लिखो । शिक्षक कक्षा में 3 टोकरियाँ बनाएंगे (फलों की, अनाजों की,साग की) तथा इन सभी के नाम पर्चियों में लिखकर कक्षा में रखेंगे । छात्र पर्चियों में नाम पढ़कर उन्हें सही टोकरी में डालेंगे।

6	बीरबल की खिचड़ी	'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हों । तरह-तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों।	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।	**अनुभवात्मक अधिगम** - घर जाकर अपने मनपसंद व्यंजन को बनाने की विधि पता करें फिर उसे अपने शब्दों में कॉपी में लिखें। **ICT अधिगम -** k-yan पर जानवरों के चित्र व वीडियो दिखाकर <u>उन पर कहानी, कविता आदि सुनाने के लिए कहें।</u>
7	मित्र को पत्र	अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों। संदर्भ और उद्देश्य के अनसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों। अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला,खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों।	तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रंचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करत हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं। विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।	**शब्द रेल** (शिक्षक बोर्ड पर एक शब्द लिखेंगे जैसे छुट्टी, इसमें अंतिम वर्ण ट है तो रेल में अगला शब्द ट से टमाटर होगा। नोट - जब बच्चे और अधिक शब्द न बता पाएं तो शिक्षक एक नए शब्द से नई रेल की शुरुआत कर सकते हैं। **कला एकीकृत अधिगम -** नॉर्थ ईस्ट के राज्यों की वेशभूषा पहनकर उनके बारे में 5-7 वाक्य कक्षा में बोलें।
8	चतुर गीदड़	अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।	कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।	**कला एकीकृत अधिगम -** डिस्पोजेबल प्लेट या कप का इस्तेमाल करके मेंढक या अन्य किसी जानवर का चित्र बनाओ।

		हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। एक-दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों।	सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।	**खेल अधिगम - जमीन पर तथा पानी में रहने वाले जानवर -** शिक्षक मैदान में एक गोला बनाएंगे और सभी बच्चे गोले के किनारे पर खड़े होंगे जब शिक्षक पानी में रहने वाले जानवरों के नाम बोलेंगे तब बच्चे गोले के अंदर कूदेंगे तथा जब शिक्षक जमीन पे रहने वाले जानवरों के नाम बोलेंगे तब बच्चे गोले के बाहर कूदेंगे।
9	प्रकृति पर्व - फूलदेई	सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला,खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों।	आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियं त्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं। विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।	**कलात्मक अधिगम -** फूल एवं पत्तों से सजावट का समान बनाएं। **ICT अधिगम -** K-yan की सहायता से बच्चों को विभिन्न त्योहारों के चित्र व वीडियो दिखाकर बच्चों से उनके बारे में चर्चा की जा सकती है। एवं बच्चे अपने स्थानीय त्यौहार कैसे मनाते हैं उन पर उनके अनुभव लिखवाए जा सकते हैं।

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

सत्र - 2

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अपेक्षित दक्षताएँ	सीखने के अपेक्षित प्रतिफल / उद्देश्य	सुझावित गतिविधियाँ
10	रस्साकशी	बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। 'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो।	आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं। तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रंचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करतें हैं।	• **खेल अधिगम** - कक्षा में मौजूद खेल उपकरणों का उपयोग करके बच्चों को खेल खिला सकते हैं। (जैसे कैरम, चैस, मोनोपली)। • सभी बच्चे एक गोले में बैठेंगे तथा लय में ताली चुटकी बजाएंगे। गतिविधि की शुरुआत शिक्षक से होगी। शिक्षक एक शब्द बोलेंगे उसके बाद पहला बच्चा ताली चुटकी बजाकर उसका तुकबंदी शब्द बोलेगा फिर इसी तरह से बाकी बच्चे इसे आगे बढ़ाएंगे।
11	एक जादुई पिटारा	विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे– किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, किसी जानकारी को निकाल पाना, किसी	सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम** - शिक्षक कक्षा में विभिन्न वस्तुओं का एक पिटारा बना सकते हैं सभी बच्चे एक वस्तु को पिटारे से निकालकर उसके बारे में कक्षा के सामने बोलेंगे। • **कला एकीकृत अधिगम** - बच्चे अपनी पसंद के जानवर या गुड़िया का स्टिक

		घटना या पात्र के सं बं ध में तर्क, अपनी राय दे पाना आदि। एक-दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों।	अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं।	पपेट बनाएंगे <u>एवं उस पर 4-5 वाक्य लिखकर कक्षा में सुनाएंगे।</u>
12	अपना अपना काम	अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला,खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों। बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचुित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।	अलग-अलग तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं। स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अतंर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं। विभिन्न उद्शदे्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विरामचिह्नों, जैसे– पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम** - कल आपने पूरा दिन क्या किया वह लिखो। • **कल्पनात्मक लेखन** - यदि आप एक दिन के लिए कोई भी जानवर बन सकते तो कौन सा बनते एवं वह बनकर आप क्या करते? नोट - इसी तरह के और प्रश्न भी बच्चों को लिखने के लिए दिए जा सकते हैं।

13	पेड़ों की अम्मा 'तिकम्मा'	अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों। संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों। हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों।	तरह-तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं। तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रंचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं। विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।	• **रचनात्मक लेखन** - आपने थिमक्का की कहानी पढ़ी उनकी कहानी पढ़कर आपके मन में जो विचार आए वे पत्र के माध्यम से थिमक्का को बताओ। • **ICT अधिगम -** शिक्षक दूसरों की मदद करने वाले लोगों की आत्मकथा की वीडियो बच्चों को दिखाएंगे एवं उसपर चर्चा करेंगे।
14	किसान की होशियारी	'पढ़ने का कोना'/पुस्तकालय में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री, जैस– बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हो। सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों।	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं। कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।	• **अभिनय से अधिगम** - कल्पना कीजिए कि भालू या कोई अन्य जानवर आपकी कक्षा में आया है तो आप उनसे क्या बातचीत करेंगे?कक्षा में इसका अभिनय करके दिखाओ। • **अनुभवात्मक अधिगम** - शिक्षक बोर्ड पर एक पौधा व उसकी जड़ें बनाएंगे तथा सब्जियों के

				चित्र कक्षा में रखेंगे। बच्चे जड़ों वाली सब्जियों के चित्र जड़ पर तथा तने वाली सब्जियों को तने पर चिपकाएंगे।

15	भारत	अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों। अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला,खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनभुवों को लिखकर एक-दूसरे से बाँटने के अवसर हों।	तरह-तरह की रचनाओं /सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम-** बच्चे शब्द पिटारे में से द्विअर्थी शब्द निकालकर उनके अर्थ बताएंगे एवं उनपर वाक्य बनाएंगे। • **कला एकीकृत अधिगम** - रंग-बिरंगे कागजों से अपने लिए एक मुकुट बनाएं।
16	चंद्रयान (संवाद)	अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों। हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात	सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं , पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।	• **अभिनय से अधिगम** - अलग अलग व्यवसायों के बारे में रंगमंच सामग्री की सहायता से प्रदर्शन करो। • **कल्पनात्मक अधिगम** - बच्चों की कल्पना के विकास हेतु उनसे कुछ प्रश्न पूछें। (जैसे - यदि आप चाँद पर जाएंगे

		जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचुित स्थान मिल सकेगा और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।	आस-पास होने वाली गतिविधियों/ घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनभुवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं। तरह-तरह की कहानियों, कविताओं /रंचनाओ की भाषा की बारीकियों (जैस– शब्दों की पुनरावृत्ति , संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करत हैं। अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ ब्रेल लिपि आदि में) देते है ।	तो क्या क्या सामान अपने साथ लेकर जाएंगे ?)
17	बोलने वाली मांद	तरह-तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने-समझाने के अवसर उपलब्ध हों।	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।	• **अभिनय से अधिगम** - सियार/ शेर का मुखौटा बनाएं व उसका रोल प्ले कक्षा में करें। • **अनुभवात्मक अधिगम** - शिक्षक कक्षा में एक पर्ची पिटारा बनाएं पर्ची पर एक शब्द लिखा होगा। बच्चे उसका उलटा शब्द बताएंगे। (उजाला – अँधेरा)

		सुनी,देखी बातों को अपने तरीके से, अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों।		
18	हम अनेक किंतु एक	हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने /प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने, प्रतिक्रिया देने के अवसर उपलब्ध हों। बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समचित स्थान मिल सकेगा	कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।	• **अनुभवात्मक अधिगम** - बच्चे अपनी स्थानीय भाषा में 5 पंक्तियां कक्षा में बोलेंगे तथा अंत में चर्चा की जा सकती है कि किस तरह सभी अलग होकर भी एक जैसे हैं। • **कला एकीकृत अधिगम** - अनेकता में एकता पर कोई गीत कक्षा में कराएं।

		और उनके शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।		

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।